युवावस्था की इच्छाओं से दूर भागो! और किसी को भी तुम्हारी
युवावस्था को तुच्छ न समझने दो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

युवावस्था बहुत मूल्यवान है—विशेषकर जब इसे सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए। हर जगह युवाओं की शक्ति की जरूरत होती है: राष्ट्रों को मजदूरी के लिए युवाओं पर निर्भरता होती है; शैतान युवाओं को अपने दुष्ट कामों के लिए चाहता है; और इसी तरह, पवित्र आत्मा भी युवाओं को परमेश्वर के काम के लिए ढूंढता है।

आँकड़े बताते हैं कि 13–20 वर्ष की उम्र में अधिकांश लोग परमेश्वर की पुकार महसूस करते हैं। 21–30 वर्ष की उम्र अक्सर आध्यात्मिक प्रशिक्षण के वर्ष होते हैं, और 30–50 वर्ष सक्रिय सेवा के वर्ष। चालीस या पचास की उम्र में बहुत कम लोग मसीह की ओर खिंचे जाते हैं; यदि आप उस समय मसीह के पास आते हैं, तो आपको बड़ी कृपा मिली है। लेकिन याद रखें, युवावस्था परमेश्वर के सामने मूल्यवान है।

युवावस्था में ही व्यक्ति के पास महान आध्यात्मिक शक्ति होती है—एक अनोखी कृपा जो केवल युवाओं को दी जाती है, बूढ़ों को नहीं।

“मैंने तुमसे लिखा है, पिताओं, क्योंकि तुमने उसे जाना जो आरंभ से है। मैंने तुमसे लिखा है, युवाओं, क्योंकि तुम शक्तिशाली हो, और परमेश्वर का वचन तुममें स्थिर है, और तुम
ने बुराई पर विजय प्राप्त की है।” — 1 यूहन्ना 2:14

युवावस्था की इच्छाओं से दूर भागो! और किसी को भी तुम्हारी
युवावस्था को तुच्छ न समझने दो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

जिस प्रकार एक राष्ट्र की शारीरिक शक्ति उसकी युवावस्था में होती है, उसी तरह परमेश्वर का राज्य पवित्र युवाओं द्वारा बनाया जाता है, क्योंकि उन्हें शक्ति दी गई है! इसलिए, युवावस्था को अत्यधिक महत्व दिया जाना चाहिए।

सेवा के अंत में, प्रेरित पौलुस ने इस सच्चाई को समझा और युवाओं को स्वर्ग के राज्य के निर्माण के विशेष कार्यों के लिए चुना—जिनमें तिमोथियुस और टीतुस शामिल हैं।

ये वे युवा थे जिन्हें पौलुस ने प्रशिक्षण दिया और भेजा। वे लगभग 20–25 वर्ष के थे, फिर भी उन्होंने महान कार्य किए, अंधकार के राज्य को नुकसान पहुँचाया। पौलुस ने उन्हें व्यक्तिगत पत्र भी लिखे। तिमोथियुस को एशिया की चर्चों की देखरेख दी गई, और टीतुस को पवित्र आत्मा द्वारा बुजुर्गों को नियुक्त करने का अधिकार दिया गया—वे लोग खुद उनसे बड़े थे।

कल्पना करें—एक युवा व्यक्ति चर्चों की देखरेख कर रहा है और बुजुर्गों को नियुक्त कर रहा है! तिमोथियुस भी युवा थे, फिर भी उन्हें इसी तरह की जिम्मेदारी दी गई। पौलुस ने उन्हें बुजुर्गों को पिता के रूप में समझाने और चेतावनी देने का निर्देश दिया।

सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा जो पौलुस ने उन्हें दी, वह यह थी:

युवावस्था की इच्छाओं से दूर भागो! और किसी को भी तुम्हारी
युवावस्था को तुच्छ न समझने दो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“किसी को भी तुम्हारी युवावस्था का तुच्छ न समझने दो, बल्कि विश्वासियों के लिए शब्द, आचरण, प्रेम, आत्मा, विश्वास, और पवित्रता में उदाहरण बनो।” — 1 तिमोथियुस 4:12

टीतुस को उन्होंने कहा:

“इन बातों को कहो, प्रोत्साहित करो, और पूरी शक्ति के साथ डाँटो। किसी को भी तुम्हें तुच्छ न समझने दो।” — टीतुस 2:15

इसका अर्थ है: सुसमाचार प्रचार करते समय किसी के चेहरे या उम्र को मत देखो। साहसपूर्वक घोषणा करो:
“सभी व्यभिचारी जो पश्चाताप नहीं करेंगे, नर्क में जाएंगे!” डरना नहीं कि वे तुमसे बड़े हैं। जो पवित्र आत्मा तुम्हारे हृदय में रखता है, वही बोलो, क्योंकि तुम्हें भेजने वाला परमेश्वर है—वे नहीं! तुम देखोगे कि तुम्हारे से बड़े भी मसीह की ओर आएंगे, क्योंकि सुसमाचार परमेश्वर की शक्ति है उद्धार के लिए।

इसलिए, अपनी युवावस्था को तुच्छ न समझो, और किसी को भी तुम्हें

युवावस्था की इच्छाओं से दूर भागो! और किसी को भी तुम्हारी
युवावस्था को तुच्छ न समझने दो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

तुच्छ न समझने दो। यदि लोग तुम्हें नीचा दिखाएँ और कहें, “तुम कुछ नहीं जानते,” तो उनकी परवाह मत करो। वचन प्रचार करो! युवावस्था में परमेश्वर की शक्ति बूढ़ों की तुलना में अधिक होती है—और शैतान इसे जानता है। यही कारण है कि वह युवाओं को नष्ट करने का लक्ष्य बनाता है।

पौलुस ने इन युवाओं को यह भी चेतावनी दी कि युवावस्था की कामनाओं से भागो।

“युवाओं की कामनाओं से भी भागो; लेकिन उन लोगों के साथ धार्मिकता, विश्वास, प्रेम और शांति का पीछा करो, जो शुद्ध
हृदय से प्रभु को पुकारते हैं।” — 2 तिमोथियुस 2:22

युवावस्था लालच और इच्छाओं से भरी होती है। एक युवा परमेश्वर के सेवक के रूप में, तुम्हें उनका सामना करना पड़ेगा। लेकिन बाइबिल क्या कहती है? “भागो!”—न कि “उन पर प्रार्थना करो।”

कोई प्रार्थना कामवासना को गायब नहीं कर सकती। व्यभिचार, अश्लील सामग्री, या मद्यपान के खिलाफ प्रार्थना नहीं करते—तुम भागते हो!

युवावस्था की इच्छाओं से दूर भागो! और किसी को भी तुम्हारी
युवावस्था को तुच्छ न समझने दो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यदि तुम किसी पाप की ओर ले जाने वाले रोमांटिक संबंध में हो, तो इसे खत्म करो। यदि तुम्हारे दोस्त तुम्हें अपनी भाषा या आदतों से पाप में खींचते हैं, तो अलग हो जाओ। यही है “युवावस्था की कामनाओं से भागना।”

यूसुफ़ ने पोटिफ़र की पत्नी के लिए प्रार्थना नहीं की—उन्होंने भागकर बचाया!

यदि तुम अश्लील सामग्री के आदी हो जो तुम्हें पाप की ओर ले जाती है, तो कोई प्रार्थना तुम्हें बचा नहीं सकती। निर्णय लो कि रोक दो। उन चित्रों को अपने फ़ोन से हटा दो, और यदि अभी भी संघर्ष है, तो अपने स्मार्टफोन को साधारण फ़ोन से बदल दो। यही पाप से भागना है!

“यदि तुम्हारा दाहिना हाथ तुम्हें पाप करने पर मजबूर करे,
तो उसे काट डालो और अपने पास से दूर फेंक दो…” — मत्ती 5:30

शैतान को तुम्हारी युवावस्था बर्बाद न करने दो। तुम्हारी वर्तमान उम्र कीमती है। यदि तुम आज जाग नहीं गए, तो ऐसा समय आएगा जब तुम पछताओगे कि युवावस्था में परमेश्वर की सेवा नहीं की। जागो!

युवावस्था की इच्छाओं से दूर भागो! और किसी को भी तुम्हारी
युवावस्था को तुच्छ न समझने दो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

युवा मित्र, प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दें!

यदि तुमने अपना जीवन मसीह को नहीं दिया है, तो तुम्हारा जीवन अभी भी शैतान के हाथ में है। मसीह के बाहर होना उसके खिलाफ होना है, क्योंकि:

“जो मेरे साथ नहीं है, वह मेरे खिलाफ है; और जो मेरे साथ नहीं जोड़ता, वह विखंडित करता है।” — मत्ती 12:30

आज ही मसीह की ओर मुड़ो। तुम्हारी युवावस्था उसके राज्य में मूल्यवान है। यदि तुम उसकी आज्ञा मानो, तो बहुत से लोग तुम्हारे द्वारा परिवर्तित होंगे—और उस दिन तुम जीवन का मुकुट प्राप्त करोगे।

मरानाथा!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp